

उद्देश्य - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत (स्वरवाद्य) के प्रयोगात्मक पक्ष का प्रारम्भिक ज्ञान देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नींव डालना है।

क्र० सं०	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
2	प्रयोगात्मक	बी०ए०एम०आई०-102	100	9
प्रथम खण्ड	प्रदर्शन - 1 (यमन)			
	* इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	* इकाई 2 - मसीतखानी गत (आलाप व तोडे सहित)।			
	* इकाई 3 - रजाखानी गत (आलाप व तोडे सहित)।			
द्वितीय खण्ड	प्रदर्शन - 2 (भैरव एवं बिलावल)			
	* इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	* इकाई 2 - रजाखानी गत (आलाप व तोडे सहित)।			
तृतीय खण्ड	पढन्त एवं मौखिक परीक्षा			
	* इकाई 1 - तालों की पढन्त।			
	* इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) में पढना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग - यमन, भैरव व बिलावल		ताल - तीनताल, एकताल व चारताल		

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1. वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, 30 प्र० ।
2. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव, राग परिचय (सभी भाग), संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।
4. पं० विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, 30 प्र० ।